भूटान की सुरक्षा, भारत का जिम्मा

■ [illegible]

[illegible]
[illegible]

भूटान की सीमा पर भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद को एक महीने से भी ज्यादा समय हो चुका है। डोकलाम क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाएं एक दूसरे के आमने-सामने तैनात हैं, और युद्ध का खतरा प्रखर है। चीन ने इस मुद्दे पर शुरुआत से ही आक्रामक भाषा का प्रयोग किया है। दूसरी ओर, भारत ने इस मसले पर काफी सावधानीपूर्वक बयान दिए हैं, और कूटनीति से इसको हल करने का आग्रह किया है।

नई दिल्ली की यह सहनशील नीति नई नहीं है। पहले के कई भारत-चीन सीमा विवादों में भारत के लिए यह नीति फायदेमंद रही है। लेकिन इस बार यह सावधानी की नीति भारत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। असल में, डोकलाम विवाद सिर्फ भारत और चीन के बीच का द्विपक्षीय झगड़ा ही नहीं है, बल्कि एक त्रिपक्षीय मतभेद है। दिल्ली में कई लोग भूल रहे हैं कि यह स्थिति भूटान की सीमा पर पनप रही है। चीन का लक्ष्य दिल्ली नहीं बल्कि थिंपु है। डोकलाम में चीनी सेना भूटान की सीमा सुरक्षा को चुनौती दे रही है। चीन की आशा है कि उसकी इस चाल से भारत और भूटान की मित्रता में फूट पड़ जाए। थिंपु पर दबाव डालकर चीन भारत-भूटान के दशकों पुराने गठबंधन को तोड़ना चाहता है।इस खतरे से बचने के लिए भारत को भी अपनी सहनशीलता की नीति बदलनी होगी। युद्ध की संभावना के बावजूद भारत को आक्रामक दृष्टिकोण अपनाते हुए चीन का प्रतिरोध करना चाहिए। दिल्ली को समझना होगा कि डोकलाम विवाद का उद्देश्य उस क्षेत्र का भविष्य तय करना ही नहीं बल्कि भारत-भूटान गठबंधन का भविष्य तय करना भी है। भारत को यह जताने की जरूरत है कि वह भूटान की सुरक्षा का उत्तरदायित्व पूरी दृढ़ता से निभाने को तैयार है।

यह बात आज और भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत-भूटान संबंध अभूतपूर्व रूप से खतरे में हैं। ऐतिहासिक तौर पर भारत का भूटान पर वर्चस्व रहा है। यह तीन कारणों की वजह से है। पहला, आजाद भारत में मिला। दूसरा, भूटान पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए सन् 2000 से भारत ने भूटान को 31,500 करोड़ रुपये आर्थिक सहायता में दिए हैं। भूटान का अधिकतम व्यापार भारत से ही है। भारत भूटान को उसकी राजनीति और कूटनीति में भी मदद देता है। भारत-भूटान की प्रगाढ़ मित्रता का तीसरा कारण है कि ऐतिहासिक तौर पर चीन ने भूटान में कभी रुचि नहीं दिखाई। पिछले 70 साल से चीन अपनी दूसरी सीमाओं पर व्यस्त रहा है। लेकिन अब अपनी आर्थिक उन्नति के चलते चीन ने दुनिया पर अपना वर्चस्व जमाने की नीति के चलते भूटान पर निशाना साधा है। अगर वह इस मिशन में कामयाब हो गया तो भारत की सुरक्षा को भारी धक्का पहुंच सकता है।

■